



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 89]
No 89]

नई दिल्ली, सोमवार, मार्च 22, 1982/चैत्र 1, 1904
NEW DELHI, MONDAY, MARCH 22, 1982/CHAITRA 1, 1904

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
(स्वास्थ्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 22 मार्च, 82

सां०कां०नि० 262(अ).—केंद्रीय सरकार औषधि प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 (1940 का 23) की धारा 12 और 35 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा औषधि तकनीकी सलाहकार बोर्ड से परामर्श करने के पश्चात् औषधि और प्रसाधन सामग्री नियम, 1945 का कतिपय और संशोधन करना चाहती है। जैसा कि उक्त धाराओं में अवैधित है, प्रस्तावित संशोधनों का निम्नलिखित प्रारूप उन सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जा रहा है, जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है इसके द्वारा सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर उस तारीख से, जिसको उस राजपत्र की प्रतियां जिनमें यह अधिसूचना प्रकाशित की जाती हैं जनता को उपलब्ध करा दी जाती है तबसे वित्त के पश्चात् विचार किया जाएगा।

ऊपर विनिर्दिष्ट अधिध के पूर्व नियमों के उक्त प्रारूप की वाचन जो भी आक्षेप या सुझाव किसी व्यक्ति से प्राप्त होंगे, केंद्रीय सरकार उन पर विचार करेगी।

प्राप्त नियम

1. इन नियमों का संक्षिप्त नाम औषधि और प्रसाधन सामग्री (द्वितीय संशोधन) नियम, 1982 है।

1470 GI/81

2. औषधि और प्रसाधन सामग्री नियम, 1945 में,—

(1) नियम 124-ख के पश्चात् निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा :—

“124-ग—राज्यचिकित्सीय ड्रेसिंग के लिए मानक

जल्य चिकित्सीय ड्रेसिंग के लिए मानक वे होंगे जो अनुसूची च (ii) में अधिधकथित है।”

(ii) अनुसूची च (i) के पश्चात् निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

अनुसूची च (II) (नियम 124-ग देखें)

पट्टी के कपड़े के लिए मानक :

समानार्थक-पट्टी के लिए विरजित कपड़ा लपेटी हुई पट्टी खुली बुनी हुई पट्टी, पट्टी के लिए सूती कपड़ा।

पट्टी के लिए कपड़ा सखी बुनाई का सूती कपड़ा होता है जो यंत्र में काटे गए उपयुक्त काउन्ट के धात्यों से बना हो और जो ताने से 20 टेक्स और 25 टेक्स के बीच और बनाने के लिए 25 टेक्स से 30 टेक्स के बीच विरचित काउन्ट के अनुरूप होगा। फिर फाइबर में कोई बानक, साइजिंग या ड्रेसिंग सामग्री नहीं होगी। यह काटे बिना और मोड़कर या उपयुक्त आकार में काट कर बना कर प्रदत्त किया जा सकेगा।

सखी हुई पट्टियों का वर्णन :

एक निरंतर लंबाई में सखी बुनाई का सूती कपड़ा जिसमें कोई जोड़ या सीजन न हो और जिसमें किनारे हो अच्छी तरह बने हुए हों। कपड़ा

विरंजित करके अच्छी तरह से बनाया गया होगा, साफ और गंधरहित होगा और बुनाई की वृष्टियों और बीज और पत्ती की गंदी से मुक्तिमुक्त रूप से मुक्त होगा।

काटी हुई पट्टियों के लिए:

काटी हुई पट्टियों की दशा में किनारों को छोड़कर जो काटी हुई पट्टियों के अन्तर्गत नहीं है काटी हुई पट्टियों के अंतिम छोर और किनारे भी सीधे और समानांतर से कटे होंगे वीले धागों से मुक्त होंगे।

प्रति ओ०एम० धागे :—ताना 150 से कम नहीं और बनाव 85 से कम नहीं।

धामों में भार 2.57+5

लंबाई और चौड़ाई : लंबाई और चौड़ाई, लेबल पर कथित प्रत्येक लंबाई और चौड़ाई के 99 प्रतिशत से कम होंगी। काटी हुई पट्टियों की दशा में पैकिंग में प्रत्येक पट्टी इस अपेक्षा के अनुरूप होनी चाहिए।

विज्ञातीय पदार्थ :—दो प्रतिशत से अधिक नहीं।

उत्कृष्टतम : जब स्क्रीनिंग पराबैंगनी प्रकाशन में देखा जाए तो आकस्मिक उत्कृष्टतम के बिन्दु ही देखे जा सकें।

पैक करना लेबल लगाना और भण्डारण : पट्टियों के कपड़े को सुरक्षित रूप से पैक किया जाएगा जिससे कि अन्तर्वस्तु को फाड़े या उच्छन्न किए बिना परिवहन में उठाया जा सके। काटी हुई और रोल की गई पट्टियों के पैकजों में प्रत्येक पट्टी को उपयुक्त कागज में अलग-अलग लपेटा जाएगा। शुद्ध मात्रा लेबल पर, लंबाई और चौड़ाई वंशति हुए कथित की जाएगी। पट्टी का कपड़ा अच्छी तरह पैक किया जाएगा जिससे कि धूल से बचाया जा सके।

अवशोषी राज के लिए मानक :

समानार्थक :—ओवधिबहीन गेज, अवशोषी सूत०ए० गेज 1 अवशोषी गेज, सावी बुनाई का सूती फैब्रिक है जो विभिन्न लंबाई और चौड़ाई (आकारों) में दिया जाता है। गेज विरंजित होता है और साइजिंग, ब्लेसिंग या बानक सामग्री से मुक्त होगा। उपयोग किए जाने वाला सूत यंत्र में काटे गए काउन्ट के सूती धागे का सूत और वे अंतिम रूप से तैयार फैब्रिक में 17 और 25 लेक्स के बीच विरंजित काउन्ट के अनुरूप होगा।

वर्णन :

सावी बुनाई का सूती कपड़ा जिसके दोनों ओर साधारण किनारे बने होंगे जिससे कि धागे निकल न जाएं। कपड़ा विरंजित सफेद किया गया होगा साथ ही यह साफ गंधहीन और सामान्यतया फैब्रिक की वृष्टियों आंमंजक रेत, रुई के बीज और पत्तों की गंदगी या अन्य विज्ञातीय पदार्थों से मुक्त होगा।

प्रति ओ०एम० धागे :—ताना 75 से कम नहीं और बनाव 55 से कम नहीं। धामों में भार : 30+51

लंबाई और चौड़ाई : लेबल पर कथित लंबाई और चौड़ाई के 98 प्रतिशत से कम नहीं होंगी।

अवशोषकताएं औसत अवध का समय 10 सेकेण्ड से अधिक नहीं होगा।

उत्कृष्टतम : जब सन्नितित पराबैंगनी प्रकाश में देखा जाए तो आकस्मिक उत्कृष्टतम के बिन्दु ही देखे जा सकें।

विज्ञातीय पदार्थ :—1 प्रतिशत से अधिक नहीं।

रोगाणुहीनता : यदि रोगाणु रहित हो तो अन्तर्वस्तु रोगाणुहीनता जांच के अनुसार होना चाहिए।

पैक करना, लेबल लगाना और भण्डारण :—अवशोषी गेज को ऐसी सामग्री के साथ मोड़ा और पैक किया जाता है और इस प्रकार कि उसकी अवशोषकता बनी रहे और अन्तर्वस्तु को फाड़े या उच्छन्न किए बिना परि-

वहन में उठाया या धरा जा सके। शुद्ध अन्तर्वस्तु लम्बाई और चौड़ाई वंशति हुए कथित की जाएगी। यदि रोगाणुरहित हो तो लेबल पर इस प्रकार लिखा होना चाहिए और पैकिंग की पद्धति और सामग्री ऐसी होनी चाहिए कि उसकी रोगाणुहीनता बनी रहे। अवशोषी गेज का पैक स्थिति में भण्डारण करना चाहिए और उसे आद्रता तथा धूल से बचाया जाना चाहिए।

परीक्षण की पद्धति

1. फैब्रिक में त्रुटि :

नमूने को खोला जाता है और विसरित सुर्यप्रकाश के सामने रखा जाता है और काली वाली मेज पर फैला दिया जाता है जिससे कि सूत और फैब्रिक के निर्माण में स्पष्टतः दृश्यमान त्रुटियों के स्थान का पता लगाया जाता है और पहचाना जाता है।

गंध—कफूंदी गंध, या अन्य श्लेष्मणीय बास जैसे उन रसायनों और सामग्रियों का जो साइनिंग और विरंजित करने में प्रयोग में लाए जाते हैं।

बक्रता : (केवल पट्टियों के लिए) वैसी दशा जिनमें ताना और बनाव एक दूसरे के साथ समकोण पर नहीं आते हैं।

बुद्धिपूर्ण किनारे : किनारों का फटना और धागों को खुलने देना और किनारों पर फंदा बन जाना।

वरार—ताने या बाने के सूत के बीच खाली जगह या खाली स्थानों की बड़ी रेखाएं।

बोहरे छोर :—गलत कर्षण के कारण ताने में एक से अधिक धागों की एक के रूप में बुनाई।

केचुली :—फैब्रिक में उन धागों का उलझ जाना जो बाने की अंटी से वीली बटाई के कारण निकल गए हों।

लंबाई और चौड़ाई का माप :—लंबाई फैब्रिक के एक किनारे के साथ एक छोर की दूरी है और चौड़ाई एक किनारे से दूसरे किनारे (सामने वाले) तक की लंबक दूरी है।

लंबाई :—एक मीटरी स्केल को मेज पर लगा दें या मेज पर मीटर के भागों को विहित कर दें) एक छोर से आरंभ करके फैब्रिक को मेज पर एक ही तह फैला दें और एक किनारे को स्केल के समानांतर रखकर फैब्रिक को बिना फैलाए हुए सपाट करें जिससे कि मुकुरन न हो और किनारे पर रंगीन पेसिल से ठीक एक मीटर का चिह्न लगाएं। फैब्रिक को बढें और इसी प्रकार दूसरा मीटर मापें और इस प्रकार संपूर्ण फैब्रिक पर एक-एक मीटर का चिह्न लगाते जाएं। कुल लंबाई को मीटरों में लिख लें। मापने वाले किनारे पर इसे पुनः लिखें साथ ही लगभग मध्य पर मुड़े फैब्रिक पर भी ऐसा करें। तीनों रीडिंग का औसत लंबाई है। काटी हुई पट्टियों की दशा में लंबाई के हिसाब से मोड़कर पट्टी के मध्य तक मापना पर्याप्त होगा।

चौड़ाई :—मापे जाने वाले फैब्रिक के भाग का मेज पर सपाट रख दें किन्तु पर्याप्त रूप से मुकुरन रहित करने के निवाए उसे न फैलाएं। उस स्थान पर जहाँ लंबाई मापने के लिए किनारों पर चिह्न लगाया गया है, मीटरी स्केल से सामने वाले किनारे तक लंबक दूरी को मापें। सभी रीडिंग का औसतन फैब्रिक की चौड़ाई है। काटी हुई पट्टियों की दशा में चौड़ाई को प्रत्येक 50 से०मी० पर मापा जाएगा और औसतन को चौड़ाई माना जाएगा।

प्रति ओ०एम० धागे :—(नमूनों के लिए चौड़ाई में 15 मी० से कम नहीं)

बनाव :—एक छोर से तीसरे मीटर पर तीन स्थानों का पता लगाएं, पहला ऊपरी किनारे के 5 से० मी० नीचे, दूसरा मध्य में और तीसरा निचले किनारे के 5 से०मी० ऊपर। ये तीनों ऊर्ध्वधर पंक्ति में होंगे।

एक आयताकार प्लेट (जो प्लास्टिक या एल्यूमीनियम जैसी उपयुक्त सामग्री की बनी हो) से जिम पर 5 से०मी० + 10 से०मी० का आयताकार प्रोपनिंग उस पर काटा गया हो। प्लेट को फैब्रिक के ऊपर शैतिक रूप से रखे जिससे कि प्रोपनिंग का बायां भाग 15 से०मी० और निचला भाग (10 से०मी०) किनारा क्रमशः ताने और बाने के धागों के साथ मिलता है। बाने के धागों की, संख्या को प्रोपनिंग के 10 से०मी० तक गिनती करें। अन्य दो चुने स्थानों पर भी पुनः ऐसा काटे और तीनों रीडिंग की औसत लिखें। नमूने में प्रत्येक तीन मीटर पर पुनः ऐसा करें और बाने के औसत की प्रति छीएम संगणना करें।

ताना :—इस बार आयताकार प्लेट को उर्ध्वाधर रूप से रखें। प्रोपनिंग का बायां (10 से०मी० भाग) और निचला (5 से०मी० भाग) किनारा क्रमशः बाने और ताने से मिलता हो। प्रोपनिंग के भीतर ताने धागों से मिलता हो। प्रोपनिंग के भीतर ताने के धागों की संख्या 10 से०मी० तक गिने और लिख लें। इस चूने हुए नमूनों में इसी प्रकार करें और इस बान का ध्यान रखें कि ताने के धागों के एक ही सेट की गणना दो बार से अधिक न की जाए और ताने कटे औसत की प्रति छीएम संगणना करें। स्ट्रेण्ड पर चूने हुए आसर्धक शीशे का गणन के लिए उपयोग किया जा सकता है।

15 सेंटीमीटर से कम लंबाई वाले नमूनों के लिए उतने विभिन्न स्थानों का पता लगाएं जितना फैब्रिक का आकार अनुमान करें जिनका योग प्रति नमूने के लिए 10 से० कम नहीं होगा और यथा उपरोक्त रूप से ताने और बाने की प्रति छीएम संगणना करें। कटी हुई पट्टियों के लिए नमूने के ताने के सभी धागों की गणना की जाती है। इसमें यह ध्यान रखा जाएगा कि कटे छोर पर 5 एमएम छोड़ दिया गया है और बाने की गणना पट्टी के मध्य के पास उसी स्थान पर प्रति 50 से०मी० पर की जाती है।

प्रति यूनिट एरिया भार :

नमूने का पूरी लंबाई में से फैब्रिक के टुकड़े काटिए, प्रत्येक तीसरे और चौथे मीटर पर से प्रतिनिधि स्थल लिया जाएगा जिससे कि इस प्रकार संगृहीत सभी टुकड़ों का कुल क्षेत्रफल, 15 मी० तक लंबाई वाले नमूने के लिए 3 वर्ग मीटर से कम नहीं है। टुकड़ों को ठीक ठीक तोलिए, ठीक ठीक लिए गए प्रत्येक टुकड़े के आयाम का मापिए और सभी टुकड़ों के क्षेत्र और भार की संगणना करें। इस प्रकार अभिप्राप्त औसत क्षेत्र और औसत भार से प्रति वर्गमीटर क्षेत्र की संगणना करें। 15 मी० से कम लंबाई वाले नमूनों के लिए टुकड़े इस रीति से लें कि चूने टुकड़ों का कुल क्षेत्र नमूने के कुल क्षेत्र से 20 प्रतिशत से कम नहीं हो।

काटी हुई पट्टियों के लिए 50 सेंटीमीटर लंबाई के टुकड़े जो एक पैक में 5 विभिन्न काटी हुई पट्टियों से काटे गए हों, लिए जाएं और भार 5 रीडिंग की औसत पर संगणित किया जाना चाहिए।

अवशेषकता : लगभग चौड़ाई 30-40 गहराई से०मी० आकार/लंबाई का गिलास ले जिसकी दीवारें सीधी मोटी हों और तनी चिपटी हो। इसे आधुनिक जल से आसपस पूरा भर दें, केवल गिलास के ऊपर से लगभग 50 से०मी० खाली छोड़ दें। पानी का तापमान 27° से० पर बनाए रखें।

पूरे नमूने की लंबाई में समान दूरी पर आस्थित किन्हीं पांच स्थानों पर वर्गाकार टुकड़े काट लें प्रत्येक का भार एक ग्राम (+10%) हो। प्रत्येक टुकड़े को ऐसी रीति में मोड़ें कि 5 से०मी० + 5 से०मी० के वर्ग प्राप्त हो जाएं। मुड़े हुए जाल के नमूनों में से एक को दो छीणे की प्लेटों के बीच रखें और उसके ऊपर 1 किलोग्राम का भार 10 मिनट तक रखें। भार को हटाएं। नमूने को जिमटे से हटाएं और उसे पानी की सतह पर धीरे से रखें (नमूने के बीच में ऐसी जिमटी से धीरे से बुझा देना चाहिए जो तेज न हो और जिसके किनारे दस्तबाग न हों) जब सतह को छूने वाले नमूने के साथ ही साथ विराम छोड़ी को चला दे जो उम

समय तक जाए जब पुरा नमूना पानी की सतह के नीचे चला जाए। लिए गए समय को अभिलिखित कर लें। इसी प्रकार की जांच अन्य बार नमूनों के साथ पुहराएं। औसत समय को सेकेण्डों में संगणित करें।

बिज्ञातीय पदार्थ :—नमूने को 5 ग्राम तक जिमका भार निरन्तर बना रहे 105 से० पर सुखाएं और सुखाए गए नमूने को ठीक ठीक तोलें क्लोरो फार्म बाने सूखे नमूने को औषधि के निरन्तर निष्कर्षण के लिए साधित्र में निष्कर्षण करें। निष्कर्षिता नमूने को एक बीकर में डाल दें थोप क्लोरोफार्म का बाष्पन होने दें। सामग्री को गर्म पानी में धोएं, प्रत्येक बार धोने में 1000 मि०ग्राम० पानी का प्रयोग करें और प्रत्येक बार धोने के बाद सामग्री को हाथ से निचोड़ें। सारे पानी को एक छलनी (100 मेश) से निकालें। धुली सामग्री और किसी खुले धागे या रेशों को छलनी से बीकर में डालें, और निस्तेज के 0-5 प्रतिशत जलीय घोल से ढक दें और उसे 50 से० पर बनाए रखें जब तक कि वह स्टार्च से मुक्त नहीं हो जाता। ठण्डा हो जाने दें। घोल को एक छलनी से छान लें। नमूने को और शिथिल रेगे को बीकर में सोटा दें। धोने की उपरोक्त प्रक्रिया गरम पानी से फिर करें। सामग्री को 105 से०मी० पर निरन्तर भार रखते हुए सुखाएं और भार में कमी का अवधारण करें। बिज्ञातीय पदार्थ की पवित्रता की सामग्री को 105 से० पर निरन्तर भार रखकर सुखाने की प्रक्रिया का ध्यान रखे हुए, संगणना करें जो भार में हुई कमी के बराबर है।

यदि नमूने की जांच आयोजित से की जाती है और स्टार्च मुक्त समझी जाती है तो डिस्टेज के घोल के साथ उपचार और गरम पानी के साथ उसकी दूसरी श्रृंखला की धुलाई छोड़ी जा सकती है।

प्लास्टर आफ पैरिस को कटी हुई पट्टियों के निष्कर्षण के लिए कपड़े की विशिष्टियां

समानार्थक :—प्लास्टर आफ पैरिस के लिए बिरंजित पट्टी का कपड़ा प्लास्टर आफ पैरिस के लिए रोल की हुई पट्टियां।

प्लास्टर आफ पैरिस पट्टियों के लिए कपड़ा

लिनो बुनाई के सूती कपड़े का होना है जो धागों से बना होता है यह विभिन्न आकारों में कटा हुआ या न कटा हुआ हो सकता है।

वर्णन :

(क) न कटी हुई पट्टियों के लिए :

लिनो बुनाई का सूती कपड़ा या एक निरन्तर लंबाई का होगा जिसमें कोई जोड़ या सीक्न रेखा नहीं होगी और उसमें किनारे थने होंगे। कपड़ा बिरंजित करके अच्छा सफेद, साफ और गंध रहित होगा। बुनाई की पट्टियों में तथा बीज और पत्तों की गंधरी से युक्तियुक्त रूप से मुक्त होगा। कपड़े की यदि आवश्यकता हो, तो ट्रेसिंग की जा सकती है और यदि ऐसा किया जाता है तो खोले जाने पर उस पर से धूल नहीं उड़नी चाहिए।

(ख) काटी हुई पट्टियों के लिए :

न काटी हुई पट्टियों की भांति, किनारों को छोड़कर जिन्हें पट्टी में सम्मिलित नहीं किया जाएगा, उन्हें समरूप से काटा जाएगा जिनके छोर सीधे होंगे और बीजे धागों से युक्तियुक्त रूप से मुक्त होंगे।

प्रति जी० एम० घाते :

ताने का औसत 150 जी०एम० से कम नहीं होगा और बाने का औसत 75 जी०एम० से कम नहीं होगा।

भार जी०एम/एम² में : 35-45

लंबाई और चौड़ाई :

न काटी हुई पट्टियों की लंबाई और चौड़ाई लेबल में दी गई लंबाई और चौड़ाई के 98 प्रतिशत से कम नहीं होगी। काटी हुए पट्टियों के लिए के

5 से०मी० और चौड़ाई में +0.5 से०मी० की सहायता
जा सकेगी और पैक में प्रत्येक पट्टी इन अपेक्षाओं की

उत्कृष्टतः :

जब स्वीकृत परावर्तनी प्रकाश में देखा जाए तो आकस्मिक उत्कृष्टतः
के बिन्दु ही देखे जा सकें।

पैक करना, लेबल लगाना और भण्डारण :

प्लास्टर आफ पेरिस के लिए पट्टी का कपड़ा इस प्रकार सुरक्षित
रूप से पैक किया जाएगा कि अन्तर्वस्तु को फाड़े या आच्छन्न किए बिना
सामान्य रूप से उठाया/धरा जा सके और उनका परिवहन किया जा
सके। काटी हुई रोल बनाई गई पट्टियों में प्रत्येक पट्टी को उपयुक्त
कागज में अलग-अलग लपेटा जाएगा। शुद्ध अन्तर्वस्तु को लेबल पर, रालों
ही संख्या और लंबाई तथा चौड़ाई बताते हुए उपस्थित किया जाएगा।
प्लास्टर आफ पेरिस के लिए पट्टी कपड़ा अच्छी तरह पैक करके भंडारित
किया जाएगा और उसे धूल से बचाया जाएगा।"

[सं० एम्स-11013/8/S1-डी०एम० एम्० एंड० पी० एफ०]

आर०के०मिशन, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

(Department of Health)

NOTIFICATION

New Delhi, the 22nd March, 1982

G.S.R. 262(E).—The following draft of certain rules further
to amend the Drugs and Cosmetics Rules, 1945, which the
Central Government propose to make, after consultation with
the Drugs Technical Advisory Board, in exercise of the
powers conferred by sections 12 and 33 of the Drugs and
Cosmetics Act, 1940 (23 of 1940), is hereby published as
required by the said sections for the information of all per-
sons likely to be affected thereby and notice is hereby given
that the said draft rules will be taken into consideration
after the expiry of a period of 90 days from the date on
which the copies of the Official Gazette in which this noti-
fication is published are made available to the public.

Any objections or suggestions which may be received from
any person with respect to the said draft rules before the
expiry of the period so specified will be taken into consi-
deration by the Central Government.

DRAFT RULES

1. These rules may be called the Drugs and Cosmetics
(2nd Amendment) Rules, 1982.

2. In the Drugs and Cosmetics Rules, 1945—

(i) after rule 124-B the following shall be inserted
namely:—

"124-C. Standards for Surgical Dressings

The standards for surgical dressings shall be such
as are laid down in Schedule F (II)."

(ii) after Schedule F(I), the following shall be inserted,
namely :—

"Schedule F(II) (See Rule 124-C)

STANDARDS FOR BANDAGE CLOTH

Synonyms : Bleached Bandage Cloth, Rolled Bandages,
Open Weave Bandage; Cotton Bandage Cloth.

Bandage Cloth consists of cotton cloth of plain weave
made from machine spun yarn of suitable count to comply
with a bleached count between 20 tex and 25 tex from
warp and between 25 tex to 30 tex for weft. The fabric con-
tains no filling, sizing or dressing materials; it may be

supplied uncut and folded or cut to suitable sizes and rolled.

Description for uncut bandages :

Cotton cloth of plain weave, in one continuous length
showing no joins or seems, with well formed selvages; the
cloth is bleached to a good white, is clean and odourless, and
reasonably free from weaving defects as well as from seed
and leaf debris.

For cut bandages :

As for uncut bandages, except for selvages which shall
not be included in cut bandages; in addition, both the ex-
tremes and edges of cut bandages shall be straight and evenly
cut, with reasonable freedom from loose threads.

Threads per dm : Warp not less than 150 and weft not less
than 85.

Weight in g/m 2 : 57 ± 5

Length and width :

The length and width shall not be less than 99 per cent
each of the length and width stated on the label; for cut
bandages, each of the bandages in a packing complies with
this requirement.

Foreign matter : Not more than 2 per cent.

Fluorescence :

When viewed under screened ultra-violet light, not more
than occasional points of fluorescence are observed.

Packing, labelling and storage :

Bandage cloth shall be packed securely so as to allow
normal handling and transport without tearing and exposing
the contents. In packages of cut and rolled bandage, each
bandage shall also individually be wrapped in a suitable
paper. The net content is stated on the label in terms of
length and width. Bandage cloth must be stored in packed
condition, protected from dust. The packings of Bandage
cloth shall be labelled prominently with the words "Non
Sterile".

Standards for Absorbent Gauze :

Synonyms : Gauze; Unmedicated Gauze; Absorbent Cotton
Gauze. Absorbent Gauze is cotton fabric of plain weave,
supplied in various width and lengths. The Gauze is bleached
and free from any sizing, dressing or filling material. The
yarn used is machine spun cotton yarn, of suitable count
to comply with a bleached count between 17 and 25 tex
in the finished fabric.

Description :

Cotton cloth, plain weave with a simple selvedge present
on both sides to prevent unravelling of yarn, the cloth is
bleached to a good white; is clean, odourless, reasonably free
from fabric defects and adhering sand, debris from cotton
seeds and leaves or any other foreign matter.

Threads per dm : Warp not less than 75 and weft not
less than 55.

Weight in g/m 2 : 30 ± 5 .

Length and width : Not less than 98 per cent each of
the length and width stated on the label.

Absorbency : Average sinking time not more than 10
seconds.

Fluorescence : When viewed under screened ultra-violet
light not more than occasional points of fluorescence are
observed.

Foreign matter : Not more than 1 per cent.

Sterility : If sterile, the contents comply with the test for
sterility.

Packing, labelling and storage :

Absorbent Gauze is folded and packaged with such ma-
terials and so securely as to protect its absorbency and allow
normal handling and transport without tearing and exposing
the contents. The net content is stated on the label in terms
of length and width. The packages will be labelled prominen-
tly with the words "Non Sterile". If sterile, it is so stated

on the table, and the packing method and material should be such as to maintain the sterility. The absorbent gauze must also comply with the sterility Test. Absorbent Gauze must be stored in packed condition, protected from moisture, and dust.

METHODS OF TESTS

1. Defect in fabric

The sample is unfolded, opened and held against diffused day light and spread on black topped table to locate and identify prominently visible defects in yarn and fabric construction. The fabric shall be reasonably free from holes, slubs, snarls and naps as well as the following :—

Odour : Musty odour, or any objectionable smell like that of chemicals or materials used in sizing and bleaching.

Skewness : (for Bandage cloth only) A condition where warp and weft do not keep at right angles to each other.

Defective Selvage

The selvage tearing and allowing yarn to unravel, and loop formation at selvage.

Cracks : Prominent streaks of space or gaps between warp or weft yarns.

Double ends : More warp threads woven as one, due to wrong draw.

Sloughing : Entanglement in the fabric of a bulk of yarn that has slipped off the weft yarn due to loose winding.

Measurement of length and width.

Length is the distance from end to end, along one edge of the fabric, and width is the perpendicular distance from one edge to the opposite edge.

Length :

Fix a metre scale to a table or mark off the division of one metre on a table edge. Starting from one end, spread the fabric flat on that table in a single layer keeping one selvage parallel to the scale; smoothen the fabric without stretching it to avoid creases and mark off with a coloured pencil, on the selvage exactly one metre. Shift the fabric and measure in the same way the second metre and so on for the entire length of the fabric marking a mark at each metre. Note down the total length in metres. Repeat this at the opposite selvage, as well as on the fabric folded approximately about the middle. The average of the three readings is the length. For cut bandages, one measurement at the middle of the bandage by folding it length-wise will suffice.

Width :

Lay the portion of the fabric to be measured flat and smooth on a table, but do not stretch fabric except sufficiently to render it creaseless. At the place where mark had been made on the selvage in measuring the length measure the perpendicular distance to the opposite selvage with a metre scale. Note the width, repeat this at every mark made in measuring the length. The average of all the readings is the width of the fabric. For cut bandages, width shall be measured at every 50 cm., and average reported as width.

Threads per dm : (for samples not less than 15m. in Length)

Weft :

At the third metre from one extreme locate three places one at about 5 cm. below the top selvage, a second in the middle and third at about 5 cm. above the bottom selvage, all three in a vertical row. Take a rectangular plate, (made of suitable material such as plastic or aluminium) with the rectangular opening of 5 cm. x 10 cm. cut in it. Keep the plate on the fabric horizontally so that the left 5 cm. side and bottom (10 cm. side) edges of the opening coincide with a weft and warp yarn respectively; count the number of weft yarns within the opening for the length of 10 cm. Repeat this at the other two selected places, and note down the average of three readings. Repeat this at every third metre in the sample and calculate the average weft per dm.

Warp :

Keep the rectangular plate, this time vertically with left (10 cm. side) and bottom (5 cm. side) edge of opening coinciding with a weft and warp yarn respectively. Count the number of warp yarns within the opening for 10 cm. and note down. Repeat this for about 10 selected places in the samples taking care that the same set of warp yarns is not counted more than twice and calculate the average warp per dm. Magnifying glass mounted on stand may be used for counting.

For samples less than 15 cm. in length, locate as many different places as the dimension of the fabric permits, the total being not less than 10 for each sample, and calculating the warp and weft per dm. as above. For cut bandages, all the warp threads in the samples are counted, taking care to leave 5 mm. at the cut edge, and weft is counted at every 50 cm. at any place about the middle of the bandage.

Weight per unit area

Cut out pieces of fabric from the entire length of the sample, representative places being taken from areas at every third or fourth metre so that the total area of all the pieces so collected is not less than 3 sq. metre for a sample not less than 15 m. in length. Weigh the pieces taken accurately, and calculate the area and weight of all the pieces. From the average area and average of weight thus obtained, calculate the area per sq. metre.

For samples less than 15 m. in length, take pieces in such manner that the total area of the selected pieces is not less than 20 per cent of the total area of the sample.

For cut bandages, pieces of 50 cm. in length, cut from 5 different cut bandages in a packing should be taken and weight calculated as an average of 5 readings.

Absorbency

Take a glass trough of approximate size-height 30 x width 30 x depth 25 cm. with straight thick walls and flat bottom. Fill it almost full with distilled water leaving only about 5 cms. from the top rim of trough. Maintain the water at 27°C.

Cut out from any five places located equidistant down the length of the entire sample, square pieces, each weighing a gm. (+10 per cent). Fold each piece in such a manner that a square of approximately 5 cm. x 5 cm. is obtained. Keep one of the folded test specimens between two glass plates and place 1 kg. weight on the top for 10 minutes. Remove the weight. Lift the specimen with forceps and gently place it on to the surface of water (the specimen should be lightly pinched in the middle with a blunt forceps having no serrations). Simultaneous to the specimen touching the water surface start a stop watch which is stopped when the entire sample disappears below the surface of the water. Record the time taken. Repeat the test with the other four test specimens. Calculate the average time in seconds.

Foreign Matter

Dry about 5 gm. of the sample to constant weight at 105°C and weight the dried sample accurately. Extract the dried sample with chloroform for one hour in an apparatus for the continuous extraction of drugs. Remove the extracted sample to a beaker and allow the evaporation of residual chloroform. Wash the material 12 times with hot water, using about 1000 mg. for each washing and wringing the material by hand after each washing; pass all waters through a fine sieve (100 mesh). Place the washed material and any loose threads or fibres from the sieve in a beaker, cover with a 0.5 per cent aqueous solution of diastase, and maintain at 50°C until free from starch. Allow to cool, filter the solution through a sieve; return sample and loose fibres to a beaker. Repeat the washing process as before with hot water. Dry the material to constant weight at 105°C, and determine the loss in weight. Calculate the percentage of foreign matter, which is equal to the loss in weight, with reference to the sample dried to constant weight at 105°C.

If the sample is tested with iodine and is known to be free from starch, the treatment with solution of diastase and the second series of washing with hot water may be omitted.

Specifications for cloth for manufacture of Plaster of Paris Bandages; cut and uncut :**Synonyms.:**

Bleached Bandages Cloth for Plaster of Paris; Rolled Bandage for Plaster of Paris.

CLOTH FOR PLASTER OF PARIS BANDAGES

Consists of cotton cloth of leno weave made from yarn. It may be supplied cut or uncut of various widths and lengths.

Description**(a) For uncut bandages :**

Cotton cloth of leno weave, in one continuous length showing no joints or seams, and with selvages. The cloth is bleached to a good white, is clean and odourless and reasonably free from weaving defects as well as from seed and leaf debris; the cloth may be dressed if necessary and if so, shall not dust off when unrolled.

(b) For cut bandage :

As for uncut bandage except for selvages which shall not be included and the bandages shall be cut evenly with straight edges and be reasonably free from loose threads.

Threads per dm :

Warp : average not less than 150 dm; and weft; average not less than 75 dm.

Weight in gm/m $2 : 35 \pm 5$

Length and width :

The length and width for uncut bandages shall not be less than 98 per cent each of the length and width stated on the label. For cut Bandages a tolerance of + 5 cm. in length and + 0.5 cm in width may be allowed, and each of the bandages in a packing complies with these requirements.

Fluorescence :

When viewed under screened ultra-violet light not more than occasional points of fluorescence are observed.

Packing, labelling and storage :

Bandage cloth for Plaster of Paris shall be packed securely so as to allow normal handling and transport without tearing and exposing the contents. In packages of cut and rolled bandages, each bandage shall also individually be wrapped in suitable paper. The package shall be labelled as "Cloth for Plaster of Paris Bandage". The net content is stated on the label in terms of number of rolls and length and width. Bandage cloth for Plaster of Paris must be stored in packed condition protected from dust."

[No. X-110013/8/81-DMS&PFA]

R. K. SINGHAL, Jt. Secy.